अध्याय –10

'अकबरी लोटा'

अभ्यास-कार्य

1. लाला झाऊलाल को खाने पीने की कमी नहीं थी। काशी के ठठेरी बाजार में मकान था। नीचे की दुकानों से एक सौ रूपए मासिक के करीब मिलता था अच्छा खाते थे, अच्छा पहनते थे, पर ढाई सौ रूपए तो एक साथ आँख सेंकने के लिए भी न मिलते थे।

इसलिए जब उनकी पत्नी ने एक दिन एकाएक ढाई सौ रूपए की मांग पेश की, तब उनका जी एक बार जोर से सनसनाया और फिर बैठ गया। उनकी यह दशा देखकर पत्नी ने कहा – ''डरिए मत, आप देने में असमर्थ हों तो मैं अपने भाई से मांग लूँ ?

प्र0 1) लाला झाऊलाल की आर्थिक स्थिति कैसी थी ?

उत्तर .....

.....

2) उन्हें 250 रूपए की आवश्यकता क्यों पड़ गई ?

उत्तर .....

.....

3) रूपए की माँग सुनकर उनकी क्या दशा हुई ?

उत्तर .....

.....

4) उनकी दशा देखकर पत्नी ने क्या ताना मारा ?

उत्तर .....

.....

2. दिए गए अशुद्ध वाक्यो का शुद्ध कर लिखिए –

1) एक फूलों की माला ले आइए । .....

2) मुझे केवल दस मात्र मिले। .....

3) मैनें अनेकों तारे देखे। .....

4) प्रधानाचार्य अध्यापक को बुलाए। .....

5) मुझे भारी प्यास लगी है। .....

3. वॉक्स में दिए गए अक्षरों से साथ्रक शब्द बनाकर दूसरे बॉक्स में लिखो।
(डामलफॉसी, पारसाल, सांगोपांग, खुरापाती, सायबान)

1)	ग	सां	पां	गो		--						
2)	पा	खु	ती	रा		--						
3)	ल	पा	सा	र		--						
4)	फॉ	डा	सी	ल	म	--						
5)	य	बा	सा	न		--						

4. सामान्य क्रियाओं को बदलकर प्रेरणार्थक क्रिया का रूप बनाइए।
(उदाहरण - पीना (सामान्य क्रिया) - पिलवाना (प्रेरणार्थक क्रिया)

सामान्य क्रिया	प्रेरणार्थक क्रिया
पढ़ना	....
धोना	....
लिखना	....
सुनना	....
सोना	....

egyanarchive